

२॥ ॥ नदी ॥ ॥ दक्षिण वाणी वाल दक्षिण ॥ ॥
दक्षिण वाणी वाल दक्षिण ॥ ॥
दक्षिण वाणी वाल ॥ ॥ यदि नदी दक्षिण वाणी वाल
दक्षिण वाणी वाल ॥ ॥

॥ श्रीगुरुवा तन ४ ॥ श्रीसना

॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीसत्त्वानन्द

सगवर्षं त ॥ श्रीमात्रे त्रे त्रे अज

93

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥
ननु उच्यते ॥ अथ न यत्र नृणां का प्रदला सुखे त्वत्पीठ
किं वा ला ॥ च द सु रू द्भा उ क्ता नि श ला न य न र गि वि
म ला वृ स्र वा के थ ल या रु क्ता ला ह द य कं गि त्रा ला
न सं प्रा ला म् ॥

सम राजन वल्लवा त्रिणिषा दणिषा थलात मा झजगपति न या ददने

नतउमसा॥धु॥भितयनरुचकाप्रदलाचुयेत्रयीव
किवाला॥चदसूरुदुभाउआलानिशला नयनरुगिफि
कलावस्यलाकेथतयाहरेकालाहदयकं गित्राला
नसंभाला॥

सगदजनवृष्यात्रिग्यादगियायालातमाअजगपतिनयवदते
ला॥१॥सुसीगहमसाजगलीलासमचतिवनीसीलीलासाहे
२॥गदगम-

२॥गमनसुतठतसतिग्यानरतविचतुवायति॥

तिकुलाकेकदीद॥तेसरायात्रिमजमतिथायतगा॥१॥

॥२॥तनिकहेकचुपितनितअयाअहालगलबायेसमत्प्राणि
॥३॥उतनिकतिप्रावनिपहतायामगदकेकोहीतज
इतिस्तुसुत॥३॥ १

॥गमैरव॥नौला॥॥हेवेसिनादसुरसाधिकेवजायेप्रचिनकानसर
नसुरमधुरधुनिहेवेस॥सुवनसुनतकधुनरमुनिहोतिआलिमने
पराबकानहेवे॥१॥उत्पटिलपलपरागदातनोकश्रेयसमभेदवला
॥२॥गमसेनकेपुभुतुमवहुनायेकपुभमनेरवसुनायाहेवे॥२॥

॥गमनेरैधुंयत्॥॥साधुविद्यागुरुजानिद्यानेसरसतिमाजाकरेआदे
मुनेयाकोमयदेनबालमवेरुहरेरुदसाधुविद्यागुरुजाना॥१॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ रागा ॥ कां वता ॥ प्रता ॥ जर्म तस पिडा
नपिलाउ द का दु का तस सा द ग्व तस नादि
का दु सा का तस द सा ॥ १ ॥ कंस ता रु कि सु घ त र म लि
नि सा द न व क लि म ज उ द का दु का तस सा द का दु ॥
१ ॥ रागा ॥ सा त था ॥ द ज ॥ ॥ रु प न्य ल ला क ला त म्ना लं वा
द त म न ल ला ॥ उ त र म धि ता रु मा नि शू द य क दं
नं क रि सि त वा ल चं द सा द ॥ न नु त्रु प मा हा रु न का
ति रु प न ॥ १ ॥ म न म न त श व क्का त्रि मु नि त क रु
वा त म्ना त्रि न व दि क हा त द मा त्रि नि रु रु वि द्वा
न का त्रि रु प न ॥ २ ॥ व द न नि न त्रि मा या ना द न त्रि
हा पि का या ग न ना थ रु दि न का त्रि नि न म्ना व द
स पु का त्रि रु प न ॥ ३ ॥ १ ॥ रागा ॥ नु ज ॥ द ज ॥ सार्व त्रि
म्य त म द उ म नि त म द उ म नि म्य त कृ ष्ण द उ म नि हा
व य ॥ ४ ॥ का ता क त स थं दा रु ल वा नि म्ना त्रि ग म्ना
त र म्ना नि द र्वा ॥ १ ॥ रु नि ग पि क त स गि त्रि ग म्ना पा नि
उ डि ग पि द स र्ग न त र म्ना नि हा व य त्रि म य ॥ १ ॥
१ ॥ रागा ॥ रु प रु म नि ॥ न ना ॥ ॥ न द द्वा त म क रु गि रु
पि ॥ स वि ना द व रु प न द ॥ ५ ॥ स रु त स स व
न द सा हा प रु त न त र्थ रु वि रु प न द ॥ १ ॥ रि त
रि त र्था शि ना म द त नि रा पि र त न रु मि उ द ला
पि न द ॥ १ ॥ रु त द म क प रु रु लि प म त र्ग स त ना

म व नापि नृद द्वा त्र प्र क ॥ ३ ॥

१ रागा ॥ ह त वा ॥ दं ग म ॥ ॥ उ म तु ध त न का दि थ अ कू द
मा द्वा त्र द म तु ॥ ४ ॥ य का दि जं व त अ ध न व र्च व
त संध त न य न वि सा त उ म तु ध त न का दि थ अ
दं ग द्वा त्र ॥ १ ॥ ॥ रु ना ल त शि त ना ग रु ना उ त क उ
न म त थ शि त र क उ म तु ध त न का दि थ अ दं ग
द्वा त्र ॥ २ ॥ क द न नि त रु न ना थ द यो क त मा ध व
दा स वि सा त उ म तु ध त न का दि थ अ दं ग द्वा त्र ॥ ३ ॥

२ रागा ॥ ति गु ॥ न रु ॥ ॥ सु नि प्र न र्ग गं ल त ना थ रि उ रा र्ध
प व न म्भ व टि ना थ वि रा ॥ ४ ॥ म न र्ग ग उ न त रि न
लं ग उ न त र्ग रि म त म्भ वा उ र त क त म क श्य उ न त
क थि न र्ग लं म न वा त ल त ना थ रि उ रा र्ध ॥ १ ॥
प्र क प त व न म्भ व रि वा त याल म ध त वा नि वि त र्ग
अ १ रु त म्भ त म ना म य क म्भ न ल त ना थ रि उ रा र्ध ॥ २
न फ कं द म्भ ना ग त कं रु ग म दि रि गं ग म्भ म्भ व टि ना
थ क दं ग न क रि म्भ रु न र य म न याल त ना थ रि उ रा
१ रागा ॥ रा रा अ ति न ॥ त म रि व त नि क उ न कि क द
धि वि नु म दि का ग न क त म य रा धि ॥ रा म ॥ ४ ॥ न न
रु ग म्भ ता उ न ता रु त क क ट व ना धि प्र क त र व पु
र स उ म ल र्ग ना नि स्व ता उ न का दि य न दि वा नि रा म
मा रा ता नि म्भ म्भ म्भ

न फ कुं द श्र नां ग त कुं र ग म दि त्रि गं ग म ग म हू व दि ना
थ क र्द ग न क त्रि म सु र न र धा म न पा ल ना न थ नी ड रा
१। रा ग ॥ रा सा अ ति ॥ त ॥ त म त्रि व त नि क ड न कि क दा
धि वि नु म दि का ग न क त म य रा धि ॥ त म ॥ ४ ॥ न ना
रु ग श्र ता ड न ता रा त्रै का का ट व ना धि य क त र व पु
उ स ठ म ल र व ना निः स्व ता ड न का दि य न दि वा निः त म ॥
श्र ता वा लि श्र त र नि म्य ता व न रु त ठ म त्रिः श्र ता श्र ता
क र न स व ल सु थि द त्रि क ना म ह रा धि त म ॥ १ ॥
१। रा ग ॥ का दि न र ॥ सु ना त स र नि श्र का सा र्द के म त न
न न सा धि य द त व श्र सु ना त ॥ ४ ॥ क रु रा पु र द श
क रु श्र न रु श्र न का वि र द श्र क रु ता सु ना त ॥ १ ॥
नि त लि द श्र द त लि द श्र वि र व द्या वा रु वं व श्र म ग
ता सु ना त स र नि श्र ॥ १ ॥ १। रा ग ॥ रा त नि ॥

वं द ग म या तं म ग म द सा नि न ल त्रै व न त्रि वा लं रु
द वा ॥ मु द ल वा तं न ला तं स पु श्र त गि तं रु ल र त थ
ल र त र न र ल त्रि त म गि तं रु नि त म म ना न र्प र
ग नि तं न र र त्रि तं ग म य रु न म ल म द न द नै श्र क
न रु श्र द वा ॥ १ ॥ त म क द श्र त्रि तं क षु द द त न
म ल म क नै उ म त्रि तं क म ल द त व नै क म
म क रि तं त्रि तं म द श्रि तं व द नै का त्रि तं रु नि
व त द म नै क श्र त म ग म द श्र त म ॥ १ ॥

न व न व नित शाने क त द ग न पा क
न लि त न न व त र व तं व न का रु शि तं नि री न कि न वि लं वि
ज लि न वि वु क तं र ग वं नं य त्रि पाल रु य द व ॥ ३ ॥

१ ता ग ॥ शाल नि ॥ मु मु ति ॥ ॥ ॐ ॥ का ता द त सि व ॐ का ता व
का व वृ श दा शि व र त र्थ गृ र्जा ता द त र द त मा हा द व ॥
॥ का व न च नु ता न न प रा न न शि व प रा न न ता क ॥ दं
सा स न ग नु ता स न व र प ल स न सा रु द त द त द मा हा द
व ॥ १ ॥ द्वा क त रा त र रु ह रु द स र न ॥ सा द न शि व र नि
ता नु प न त की ति ह व न रु ग मा द न द त द त मा हा द व ॥ २ ॥
दं द क मं द त र क ति सु त र्थ त न शि व र रु ग र त न रु
ग क त न रु मा द क त न द त व ॥ ३ ॥ रु ज मा ता व न मा
ता नु द मा ता व ति शि व र ति प रा ति त म द ति क त क
म ला व ति द त र द त मा हा द व ॥ ४ ॥ ॥ नां व त पि नां
व त वा घां व त रं ग्य शि व स न का दि क वि ह ना दि क
ह ना दि क रं ग्य द त र द त मा हा द व ॥ ५ ॥ का शि म म
का र शि का ति द त र द त मा हा द व ॥ ६ ॥ शि व रु क न त
गु न रा त नि री का दि ग म उ शि व र न न शि उ म न द र्शा
मि ॥ आ रु त पा उ ॥ द त र द त मा हा द व ॥ ७ ॥

१ ता ग ॥ म ला त ॥ रं द ग म ॥ ॥ क रु ना मृ न क रु त द गु ना कृ पा
पा म र र सु उ र म ॥ क ॥ क रु ना मी ना शि सा कृ क म ल ग दि न
वं ॥ क मि नु मि न क रु त द ॥ १ ॥ न त र शि य नु प मा द्या दि
ति रु सु त र दि द नं दू प दा त रु न द र्था व न मि ग न न उ
द्या क रु ना शि द ॥ १ ॥

१ तां गामला ताम्रदंष्ट्र ॥ ककुनामृत्ककुतदशुनाकृपा

पामरसुअरम॥क॥कनुनासीताशिसाकुकमलमदिन

वक्ष्ये कमि नुमि न क रु न द ॥ १ ॥ न नृशिंघ नृपमाद्यादि

...नदीर्थावतमिगननडा
...कृत्वा...

श्री कृष्णार्जुनसंवादे ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

सुखसंयददायिदत्रकारिणविनिर्दिष्टमनसः

मुथ॥१॥ १ नाग॥ दि द त्रा॥ यन॥ रु व रु कि क रु य रु न

विक्रमदिपावा तस्य ह पि सं किं ॥ अथ - अथ ॥ विष्णुपति

विक्रयार्थं प्रोक्तं वदन्ति यत्किं ॥ प्रकृतं रक्तात्रिका यत्रि
दि कृदि यातान् वदन्ति तदि पाद स र्वं = चर = वि

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ललसा जत्र केन युक्तिरु
आलेख्यते ननु कदि यमद ईह तत्र साधनम् ॥

उत्तसिदास प्रहृष्टमानिदत्रसक कस्यस्य कस्यस्य

नाहान व का॥ ३॥ शाजा॥ वीरागता॥ पुन॥ ॥ कषणनरा

कृष्णनायलायुसरियुनकनकृष्ण॥॥॥वित्रदयाव

न॥ तमत्रयाकयेन न॥ कत्रयात्रिका मया वत्रान्कृष्ट ॥ १ ॥

श्रीकृष्णाय नमः चन्द्रदिनदन्ति कृष्णनवविंशति
 दशमनक्षत्रगणनाय ॥२॥

दत्तेश्वरकृतपूरणनाम ॥ १ ॥ १०० ॥ ॥ नमः ॥ ॥ दत्ति

न न नि तं न र न न न म न क्क न व न य द ति ॥ १ ॥

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

हति दी प्रचास क वा वे ले लेता व द न न जा उ ह ता प्रा हा जा
न व क र म ल्या वे गा ज १११॥ म स ग ४॥

राग ~~का~~ मानलिनली वु द न न य क न य क वा ले हो ज न ला गी
म म का व स न ला गी ले रे मा ॥ १॥ जरा जरि सै र ही प्र मो मू क की
उ म हान मे रे द गु या पि टा प्र त म त वो ल मा ॥ १॥

राग - - ॥ ॥ मा जी जन ता दे मा श्री मा रु ने वा म्भं कर मा क न मे कर
स के प ल प ल मु द मु द कि ॥ १॥ घ ता का रे वी जु ली च म के स दा री ग ले मु म
प म्मा प्पा रे ॥ के म दे म दे ॥ १॥ राग ४॥ सु र ठ र स रि ग

न र तं वी च तु वा सु रि ॥ ती कु वा के कै ही द श्री ते ह रा श्री जी म ज म री म
म म र ल गी श्री ॥ १॥ ध र नि करिं या धु नि व ह रा मा म ग ठा के कै ही रा जा उ रि
रा श्री ॥ २॥ ध र नि क हे क कु वी र नि र जा ना जा हा ल ग ल वा सो हा म त्ता गी

॥ ॥ ॥ ॥ राग का फि क नि मी क नि मी क ३ उ वा म म्भ म र ना म्भ दे गु तु को
पा उ ना जी ना लो क मे म्भ ल ष नि रं ज न पु रि र ह्ये न र वा ना ॥ घ त ख त
वा प क वा पि र ह्ये हे म्भ ल ष पु तु ष ग न क मा ॥ १॥ वी रा का र सो का
र ह्य मी नि र गु न स क उ न कि पो म नि रा ल म्भ प्र ल म्भ क र म्भ म्भ
म न म्भ म्भ व र्ण मा ॥ २॥ म न म्भ न द कि हे सु नो पाल म्भ स त गु र

३ ॥ कि व द धा मा ॥ ने ने म्भ ते सो सो पा वे स न गु र कि व द वा
वे ॥ ३॥

॥ दे खोरि य को वाल जो नि द्वा र ह मा रो म्ना यी लो ॥

प्रजवन्तु तगले ह प्रमाला श्रमना गल प ता घा रे जिन कि म्मा र्थे तिल

कचराप्रिजोगीजन्तवधायारे ॥ १ ॥ तीक्ष्णलेनीक्ष्मनदरनिमो

तिनेथालर स्या. हि द्याले जोगीजा वसनासनवर मेरे भवपालद साया

रे ॥ १ ॥ प्रवालषणिकश्च नीदराणि सौहृदरत्नपात्रादिपात्रेषु

य परि कर्म करी केसि गीनि नाठ वजायारे ॥ ३ ॥ तुलसी दास प्रा

लुखं दे वें दे चरन केष दे जसो भति माधि त्रिनि लो क के स्रंत रजा ने बाल

पहपवरागरे॥४॥

राग आसा वरि ॥ ॥ कंठाजी ३५३

[illegible]

॥ गगन ऊरु नमः ॥ ॥ सवतालावाके नयवाला ॥ ॥ फुरा जे तो र वाग नहि दु ह जो कथा

मा. री. पा. व. ल. ७५५

11

॥ आर्जुन साहे ना थे ओहि रे हो वयवर दानि मय को रुपा करो भ कनिभ
॥ १॥ है ताता नाना नाने माया माया माया माया माया

तगभंजत॥ करलोमे लमा री मे लोम ही यात ॥ ५॥ हिदायकमलविषः
 संपत्तिपारे॥ लेखरपात्रः वरतपथा ॥ ६॥ मे लो ॥ ७॥ वीतकेसं द
 वरवीतला ॥ ८॥ प्रीतकेपं वा से पवक दुला ॥ ९॥

349200

राग लाडनि ॥ ७ ॥ सजन तुम ये मील कर जाना मेरा दील तुं पर करुना
नासम जुय कलस कटि ध्याये ॥ छाउनाल फल के म्र कम क सुता ॥ ८ ॥
गंगा किनारे मुरदा जलेषु वानर्यग तूह प्रीति कि कार मे जो जी वनि है पी
मान जलता है ॥ कोलो है को वना प्राकले जाय ठ का की प्राप्ति किल तु
म वृष द उरा या को लो दुषा जाय ॥ ९ ॥ सुनार कहें सुता रमे उ पर मा
रि श्यामः काही गी घुसात.

२७५॥

॥ रघुवरसुंदरसंज्ञासहस्र ॥ रघुवरसुंदरसंज्ञासहस्र

नरठ पार्ति गनः सनम सदे लनु मन ॥ ? ॥

१७७॥

॥ दानि व्री तु व्री तु त न नान्न लली गाला त न न न न
न न ॥ यि री याने वो र र याने सुमि च के वा के वानि क ह्ये दी जे सो
राग नि जाग ल ल ल ल ल ल ॥ १ ॥ न गत सो दा मा स्रायि ॥
ज्या लो व स त ल्या ई प ह्ये रे रि ग्री ग्य पा ल ल ल ल ल ल ॥ २ ॥

राग र्घ्य दतिल ना ॥ दानि ना व त्र दि त दि ॥ ता ना दे ता ना दे रे
ता ना दे रे दि ना दानि वि वि

सं ५ ५

राग नि गु न ॥ क वि रा वि ग रे तो हरि गु ना गा उ न म म त वि ग रे तो
हरि गु ना गा ई ॥ रा गं गा कि संग मे जि ना ला वि ग रे स ना ला गा जो हो
गा ॥ ४ ॥ बंधन सरि काल करि ज ला उ सो ल करि बंधन हो गा ॥ २ ॥
वा ला कि संग मे लो हा वि ग रे स लो हो वा ला जो हो गा ॥ ३ ॥

राग नि गु न ॥ मा ति व रु ना मा ति वि क्षा ना मा ति क र ले सि फा ना न दि या वि
ना रे मे धु वा उ र त ह्ये दे व त ह्ये सं सा रा बंधन सरि काल करि ज ला घा उ न सरि क
का गा ॥ ४ ॥ रा म ना म कि लु त प र ह्ये जो बा रु सो लु तो म्र त काल प र प ह्ये त म्र त
धि र म र ना हो गा ॥ २ ॥

राग वि हा ग ॥ या व रे ला ल ना मे का नु ग वि त ग यो ते हा रि म लु ब को त र फ त
प्र जि या त र सै त र सै रि ॥ उ न्न गो ने ना व द र सि यो द र ला गी दा मि नि
द सि यो द ल ला गी हा रि ॥ ५ ॥

राग नि गु न ॥ जो गी नु ग त ना ने न दि वे क प रे रं गा स क्य क्य ॥ ता रि स

सप्तविंशति॥ अवहेलालनामैकाग्रवित्तगद्योतेन हि मल्लकोत्तरफुल
प्रजिघातयेत्तरसेरि॥ उन्नयोनेनावदृष्टिषोदहताग्निदाभिनि
यक्षिषोदललागिहादि॥५॥

राग निर्गुन ॥ जोति जगत्तजाने नहि वेक परे रंगास क्यो ऊवा ॥ तोहि
राई प्रपसपलंगा जाग्रि मपि वतांय कर मसजवसाक नहि वेष्ट मुख
सो क्यो ऊवा ॥ वाधु दि कि थव र सो ना न प्र न ह द वा जा वा ज ता य क मं दि
मे प्रा ज ते ना हि व रु सु ना सो क्यो ऊवा ॥ २ ॥ म त रं गि वो प द गं दि पा य क
र द य क रं ग का वी जे न द्रि ता प्रे म का नु वा रि क वा सो क्यो ऊवा ॥ ३ ॥ का
व ना य क ज्यो रि का य क क म धे नु प्र ल का दि ल कि क प त छ तौ न हि द
र थ नु नि सो क्यो ऊवा ॥ ४ ॥

विजलिबमके सुदामा शांत विंशति धंश दिया न जाऊ

॥ १ ॥ जं ५ ३ ३ ॥ ५ ॥ ५ ॥

শ্রী: অক্ষয়কান্ত চন্দ্র শাস্ত্রী ১৮৮৫ খ্রি: ১২৮৫

Handwritten text in a cursive script, likely a historical form or document, located at the top of the page.

Handwritten text in a cursive script, located in the upper right section of the page.

Handwritten text in a cursive script, located in the middle section of the page.

Handwritten text in a cursive script, located in the lower middle section of the page.

Handwritten text in a cursive script, located in the lower section of the page.

Handwritten text in a cursive script, located near the bottom of the page.

Handwritten text in a cursive script, located at the very bottom of the page.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

राजा वसन्त ॥ श्री मा. वे. वे. हे म. गु. वा. जी. व. वे. वा.
वे. ति. न. के. को. त. व. रे. गु. वा. जी. व. वे. वा. व. वे. वे. ॥

राजवीला वरा ॥ हे मनचे तनया व. वे. वे. म.
उ. मे. सं. सा. र. व. वे. मा. ला. ते. म.

राग वसन्त ॥ ॥ ॥ श्री मा. वे. वे. रे म. गु. ग. वा. जी. व. वे. ना.
वे. ति. न. क. को. त. व. रे. गु. ग. वा. जी. व. वे. ना. व. वे. ने ॥ ५

रागवीला वरा ॥ ते मनचे तन या वचो नेम
र सो १०

उ. सोमं सार वने माला मे संसार ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

राग भन्तु श्राधकनेमानुरसिगामो रजनो मातुमातु विजग नरस
 प्रकृत मोरसिगामुवा मेदधि मायन आता ऊरे दग मुमिगुन
 तोते रोग न विजने कनया पोम यन नर सय प्रफ वि
 कजेमानुरसिगाम ॥ २ ॥ मवेति वि स मातलाह कि उवर ज त न
 रि के थ रि ज त्र मं त्र मेवे त क ज्ञान दुवा यो मु य ल ज मि
 गाम ॥ ३ ॥ आने ह य र ज न नि माने शि प त तिन प्रे के व थ
 ना नि के कर वि प त तित न क रि त्यो प्र फ न मन क य क म
 व र त न ॥ ४ ॥ ए र द स प्र मु ज उ व र न मे स मु द र य न म त
 वा ज र रिया ॥ ५ ॥

देरा — १५१०२॥ त — को पुस्तक ॥ २

गगन ॥ तह री प्रो को प नि ग म र व दी व म य का थ रे ग के मा रो
 व को र त के त क दी व ॥ ५ ॥ सी स ग मा व ल गी दे द किं व क
 ह ती ल ल ~~कु या क र व दी वा र घ क ध क दी व~~

गगन ॥ व द य दे वी व हा नी च ह हो र पा नी ॥ ग न म र ह र व ति
 मी ह र वा ॥ पी ला वी व र त प ड ता वा न ह हो वा य ॥ १ ॥
 रा ग म त ॥ ~~स त व क र त र वि तु ग वि स जे म त~~

को क

हात व क र ति र सु त वि र न म त न ग वे त ग री मे ॥

गगनमाला ॥ वदगदेवी वहावी चहु हो र पा नी ॥ गन मर हरे वलि
मी सरवा ॥ पीला की वं र ता ॥ वहु ता वा न ह हो पा नी ॥ २॥
राग ज न ॥ ~~सात व करती रति सुगति सजे मल~~

सात व करति र सुत विराजत जग वै त गरी मे ॥
माता ज स्व दा अंतर वै है अ वा ज नी क ले का नु मे क व दे म
स सु आय रे जो गी अ तं ख ज गा मी त गरी मे ही रा मे ॥
तो क वु त मा ता दे हो वा जी जे लि मे ॥ २ ॥

राग प त मा य री मा

राग ज न ॥ सात व करति र सु र विरा जै अ ष ज गा वै त गरी मे ॥ ज ता म क
त सि र रां गा का रा मे र षा व ने को अ ठि का री ॥ से स ना ग ग ले ल प ता र म तं
ज न ता द र वा रे ॥ सात व क ॥ मा ता ज सो दा अं त र वै है अ वा ज नि क
ले का नु मे ॥ क व ते दे स से आ य रे जो गी अ तं ख ज गा मी त गरी मे
सा ता ॥ ही रा मे ति कं व न मा ता दे हो वा वा जी के मे जे ली मे तो रे अ वा
सा भु त सि ले गा ले ज आ फं ना त गरी मे ॥

फरना तगरी मे ॥ ... मे तो रे जी वा

ला ता ॥ ३ हा रा मा ती के व न मा ला जो दा र है सो छु च र मे रा ज त र
ता व रे मा भ ई मा फ ने बा ल प को प र स त क र के जा ता है ॥ हा त ॥ ४

राग जैरा ॥ जै ज ग न ता दे वी सुर न भु नी व र त ते व म्मी अ जी म ग ती दा य ती
न म स र ति का लि का ॥ १ ॥ मं ग ल मि धु सी चुर स ज नी ता प ती र ती तो प ती र ती
ती र नी मा ती का र ।
क र म ॥ १ ॥ ॥

राग
राग ध्रुप

राग मे ला ध्रुप ॥ ॥ रं ग लाल रु प लाल या ध र या ध र लाल दि गां न्धो ले लाल
॥ ध्रु ॥ मा नु लाल वि ष लाल मा नु कि को ले के लाल ॥ ये ते लाल वि ष लाल को
रं ग लाल रु ल क रं ग ॥ १ ॥

राग वि हा ग ॥ म य तो टे रे व स रे न द कि लाल ॥ ले ग यो प्रा
त म थ रा त रे ॥ रु म प्र मा मि ति क र म ले या यो रे ॥ १ ॥ वि द्या
रि व न मे गो मि मि ग न्धे र्हे ॥ स न स मि मि लि के जो ग ध
रि ये ॥ २ ॥ चं द्र स मि मि त वा ल रु स रु वि ॥ हा म सो म ध्रु र
व व न सु मि तं द्र कि ला ल ॥ ३ ॥

राग वि हा ग ॥ स म त म मे हे प्र या तु म को दे मि या न कि स्मा मा
हा रि गो गो ॥ ये क गो मि मि के म मि ग यो र्हे ॥ प्र व त्त म कि फ

रंगलाल कलकंग ॥५॥

रागविहाग ॥ मय तो टेरे वसरे नद किलाल ॥ ले गयो प्रा
नमथरा नरे ॥ ह म प्रभाति निकर मले या यो रे ॥५॥ बिद्या
रिवन मे जो निनि गनने ई है ॥ सब सखि मिलि के जोग ध
रिये ॥ २॥ बंदू सखि तवाल क सुख वि ॥ ह म सो म धुर
व व न सु नि तं द्रु किलाल ॥३॥

रागविहाग ॥ सम तामे दे प्रिया तुम को देखि या न कि स्था मा
हारि जो लो ॥ एक गो पि न के भुलि गयो है ॥ पूब जन्म कि फ
र प्रा ई है ॥५॥ एक सय सखि मुर लि सु लि है ॥ वन वन ध
र प्रा न मो रां ॥ २॥ भग तक मे मन मे ध्या न क है या तुम को वर न
वित ला ई ॥३॥

रागविहाग ॥ बंदू वदति प्रिया काम र सदि जे ॥ तुम को जो म
न सु गंध मय हो ॥ तुम न कि देखि य बं व ल म ई हो बंदू ॥५॥
तुम को का मि नि ह म वि र हि है ॥ तुम को छे दि य व न व न प्रा
ई है ॥ २॥ बंदू सखि हि ट जे प कि जे ॥ राम ना सु मर न प्रे मे
प्रा ई है ॥३॥

संभरा म म ॥ हे जननि के हे म वा नि दया करो देखि गुजे सरि ॥ हे ज
ननि ॥ निरु न दिया कि न रे गुजे सरि मा ई प्रा नं द मे वि जय कि जय
॥ ते ज म य सु र ज जो ति रूप म यो पार वति सा मि म यो श्री प सु प ति
॥५॥ स्पे तक वन मे वि र जिय ॥ साथ भो ला ना थ लि ज्ये ॥ वं ड र जो
मि नि वि व वि रा ज्ये य त्रि मु व रा के ॥ तु हि रा नि जन नि ॥२॥
द्रि मि के २ कर दं व रु वा ज्ये ॥ अ र स प रु लि ज्ये हा त त्रि सु ल व
अ सु र सं गार लि ये स ह ग ले रु द्र मा ॥ ला जन नि ॥३॥ कह ते मु न
थ को च त्रु प दे लि जे त न म ॥ दा स कि जे दुर स न दि जे म ग म
थ को श्री र न वा हा ड र सा मि हि जन नि हो ॥४॥

[illegible]

राग गजल ॥ वता है तेरे दिल कुआ है बि रंगा बर कुडुय दे नि
 हिते रे वा ते ना है र से वा मु मु कु ॥ पति र्त के रु बाल मु स्म मु ज नि न
 कि आ व ता रे ग ते ते ते स व ल मे रु य ति रु मे रि क्षा ति स ज नु कि त
 र म ह जं गा कि रु बाल मु स ह ॥ वा ॥ प्रा हे जो ल पु र मे दि जा म ह वा
 र सो के मे स ता रु ल हे रे व लि ये स म मे रु म दे स जो मे म ता रु
 वं गा न कि रु नि का का रे नु द स्या मु रु ॥ २ ॥
 रा ग दे स ॥ म त वा लो मा रो म न व त ले गे रे ॥ म न व त ले र न जा म

वता है तेरे दि कुआ है:

राग गजल ॥ वता है तेरे दि कुआ है बि रंगा वत रुदुब देवि
हिते रे वाते ना है रे से वा मु मु कु ॥ तिमै त के रु बाल मु स्म मु ज नि न
हि आ वत ग र ते रे ते सा वल मे उ व ति रु मे रि हा ति म ज नु कि त
रे म र्जिं गा कि रु बाल मु स ख ॥ वा ॥ प्रा है जो ल फु मे दि जा क र्वा
र सो के मे स ता रु ल फे रे व लि ये स म मे रु म दे स जो मे म ता रु
बं गा न हि रु नि का का रे नु द स्या मु रु कु ॥ २ ॥

राग देस ॥ मत बालो मा रो अन व त ले मे रे ॥ अन व त ले र न जा स
पा उ स रु मे सा रु व त ले ग र्द रे म ता ॥ ॥

राग ॥ दान व व नु रं ग द ल वा जे वं दि के ज व हि को पि ले
ब ग सिं च व ल त धा र्द हि ॥ स स स गा स प ध ध प म ग
ग रे सा सा नि नि ध प म ग रे सा ग ग सा नि ध प नि ध प
सा ॥ वा ॥ ना द्र द्र दिं त दिं म त दार तु म त र दा नि दि या ना रे
त दा रे २ धा कि त क ध क त क न क न क धि धा क त न क २
धि धा धा क रं क रं ति रि मि त त क धं २ थं ता क ता क त न
ग धि धा न व ल कि सा ल र को र न त रु ब म न वा धि त तो
हि सु ज स गा र्द य ॥ २ ॥

राग ॥ इति सो हि ॥ ब द रा ग र जे व र सो ॥ मि रु रु वा सु
नो थालि र्द र ल र जे पा पि या के वो ल सो र सो स ज नि प्र
धि या रा सा र त व र स्म ॥ वा ॥ म क रु काल वि नि र व रु स ता रु
वि व द मि ठि ल र जे शान दा स मो र प्र त र वि र्द र्द तो क ठि
न रु ति याल र जे ॥ २ ॥

राग कृष्णि ॥ क रि पा स व रा ज कु मारि मो रे दे रा व नि २ क लिय मे से ज वि दाना र सि
हा सि मे रे प्रा या रे ॥ वा ॥

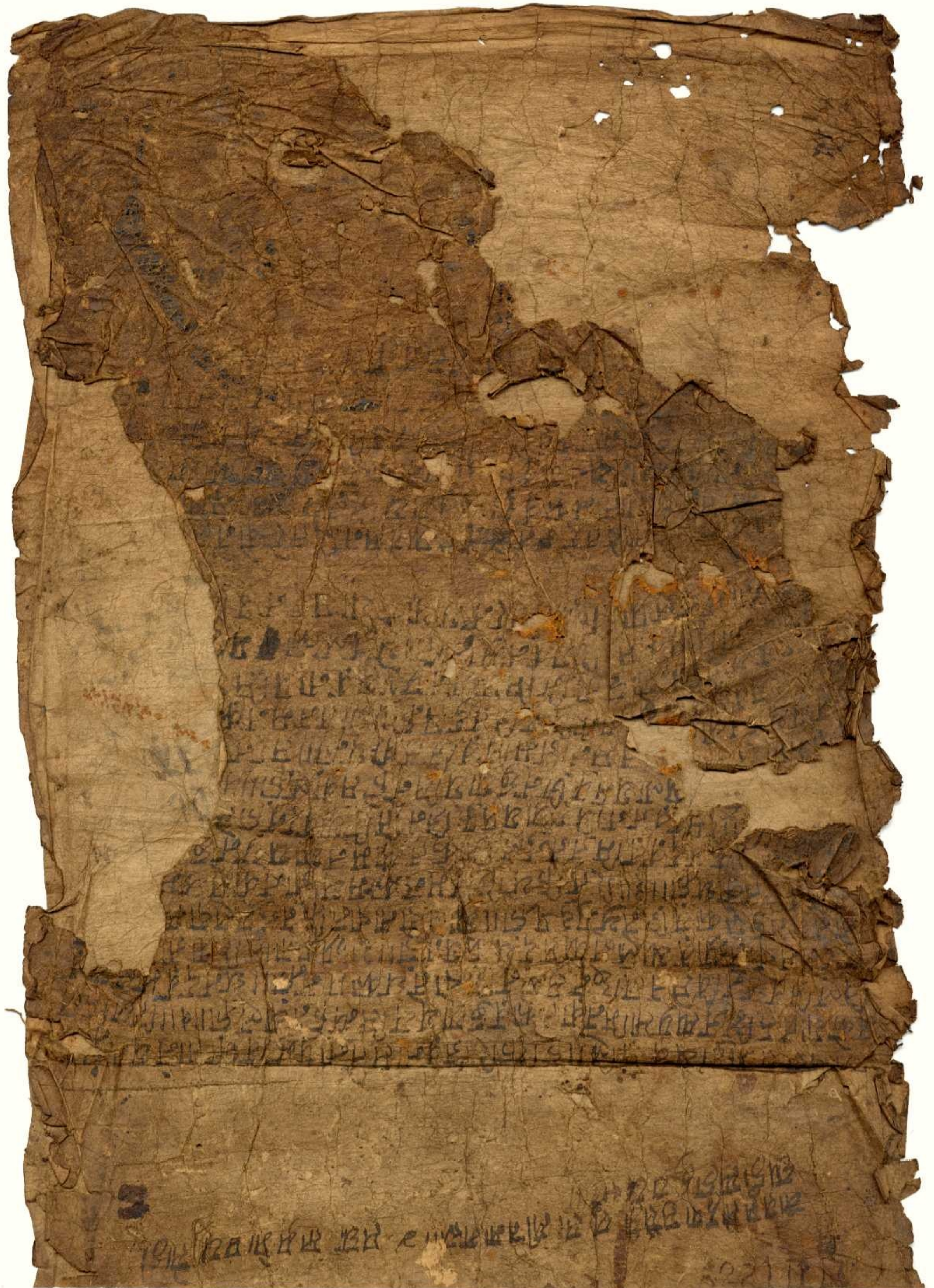
गंगा नदी ॥ अत्र नत्तम फेर मे कराना मेरा दालः तु मपस्कुप वाना
 समुद्र मे कल सकावा कन लवत के मशक मशक शेना मंगा की ना
 रे मुदी रिले पुन नकुवगे तदो ३ श्री के का रन मे जोगवन मे रोपा मान
 जल ताते ३३ कोतलोवे ललि श्री श्री श्री

राग रज

राग रामक वि॥ सु॥ होति रंजन मोहिंद्र जोर बे॥ हिंदय कम
 ल पर प्रसा रंजन करत मादि सनात॥ ॥ सुषि विमृषि
 त फतिक मंदी क धर म हिंदु व उ गिसा॥ २॥ पवित्र मृग य
 रि वास मनो हर देत विविध भोग मो मे॥ ३॥

राग गंधारा प्रताल॥ नमो २ जोगनिंद्रा जगदंवे माई सिंधि नि
 व्याधि निता लव जाई ये जोगिनि नागि निराग रंजा गाई हि
 ॥ ॥ सुमनि सुमनि दूत कुमारि ये देव कि रक्षार ये जाल पा
 वाहिनि॥ २॥ मनिगाई रिसरि ध्यान ल गाई हिम ईर विदा
 किनि फूल पातिल्याई हि॥ ३॥ नम के वर कि मन मे भ गति
 हे मंत काल मयो धर्म पुनै बढाई हि॥ ४॥

राग रज॥ राग विभास सुटारि॥ रिसरि गुह्य तरिम
 ता करुता मित्र ना सोव सुना सिया व॥ बंद के रन उति हि
 पया तेज जो मोल माल मित्र सु ति बंदि अवनति॥ १॥ म
 यम फुल हिम गात दो ५ था साजा विनत वि यम त दुष
 अति हि सर सुमति न गति॥ २॥ म हि कम जिथ न प्रति सो
 फल पावो ना डर मति मम मिड कुटि नियोति र खे र मि
 भगति॥ ३॥ न गत सम ड हि ति सदा सिव न विरिति कु
 क प्रयाति र गति रुपा मा व सु गति॥ ३॥



Handwritten text in a cursive script, likely a continuation from the previous page. The ink is dark and the parchment is aged and stained.

2

Handwritten text in a cursive script, likely a continuation from the previous page. The ink is dark and the parchment is aged and stained.

Handwritten text in a cursive script, likely a continuation from the previous page. The ink is dark and the parchment is aged and stained.

Handwritten text in a cursive script, likely a continuation from the previous page. The ink is dark and the parchment is aged and stained.

Handwritten text in a cursive script, likely a continuation from the previous page. The ink is dark and the parchment is aged and stained.

Main body of handwritten text in a cursive script, likely a continuation from the previous page. The ink is dark and the parchment is aged and stained.

Handwritten text in a cursive script, likely a continuation from the previous page. The ink is dark and the parchment is aged and stained.

Handwritten text in a cursive script, likely a continuation from the previous page. The ink is dark and the parchment is aged and stained.



2795
ALMA ARCHIVES